दिनांक 21 नवंबर, 2020 को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन में माननीया राज्यपाल जी के अभिभाषण के मुख्य बिन्दु:-

- मुझे अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है। इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु मैं आप सभी आयोजकों को बधाई देती हूँ।
- मुझे अवगत कराया गया कि यह संस्था विगत 85 वर्षों से समाजहित में प्रयासरत है। किसी भी संस्था द्वारा लम्बे काल अवधि तक समाजसेवा के कार्य में संलिप्त रहना गर्व का विषय है। इसके लिए संस्था से जुड़े सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देती हूँ। मैं श्री गड़ेदिया जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष के गौरवपूर्ण पद ग्रहण करने पर भी बधाई देती हूँ। आशा करती हूँ कि आपका नेतृत्व एवं मार्गदर्शन इस संस्था को समाजसेवा के क्षेत्र में उच्च शिखर तक ले जायेगा।
- यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि मारवाड़ी समाज न केवल उद्यमशील होते हैं, बल्कि समाजसेवा के क्षेत्र भी अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। राष्ट्रनिर्माण की दिशा में इस समाज का सहयोग और अपेक्षित है।
- मेरा मानना है कि जीव-लोक में नि:स्वार्थ भाव से जो परोपकार के लिए जीता है, संघर्ष करता है, वह सच मायने में जिन्दगी को सही तरीके से जीता है। नि:स्वार्थ भाव से किया जानेवाला परोपकार ही ईश्वर की सच्ची पूजा है।
- धन कमाने के साथ मनुष्य में दान करने की भी प्रवृत्ति होनी चाहिये। प्रसन्नता का विषय है कि इस संस्था से जुड़े लोग ऐसा कर रहे हैं।

- मारवाड़ी समाज द्वारा विभिन्न स्थलों पर लोकहित में धर्मशाला का निर्माण करना सराहनीय है। मैं चाहूँगी कि यह संस्था स्वास्थ्य के क्षेत्र में और सक्रियता से कार्य करें।
- आज लोगों का स्वास्थ्य और पोषण एक चुनौती है। राज्य में कुपोषण की भी समस्या है। ऐसे में ऐसे बहुआयामी संस्था को राज्य को कुपोषण से मुक्त करने और लोगों के स्वास्थ्य सुधार की दिशा में भी आगे आना चाहिये।
- मुझे अवगत कराया गया कि Covid-19 के विकराल प्रकोप के दौर में जब लगभग सम्पूर्ण विश्व Lockdown में चला गया था। बहुत से लोगों के समक्ष स्वास्थ्य के साथ जीवनयापन की भी समस्या आई, तो आपके द्वारा भोजन वितरण आदि भी किया गया। मैं चाहूँगी कि इस संस्था से जुड़े उद्यमी राज्य के वैसे लोगों के नियोजन अर्थात employment की दिशा में भी ध्यान दें जिनकी Covid-19 महामारी के कारण नौकरी चली गई।
- हमारे राज्य की स्थापना को 20 वर्ष पूर्ण हो गये हैं। राज्य युवावस्था में है। यहाँ रोजगार के अधिकाधिक साधन विकसित करने पर ऐसी संस्था को ध्यान देना होगा।
- राज्य में लघु एवं मध्यम उद्योगों की भी अधिक-से-अधिक स्थापना कर सकते हैं। यहाँ के लोगों की दक्षता से Vocal for Local & Local to Global हो सकता है। मैंने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण के क्रम में देखा है कि यहाँ के लोग अत्यन्त Skilled, मेहनती, ईमानदार और सरल हैं। ऐसे में इनको नियोजित कर आप अपने उद्यम को और सशक्त कर सकते हैं।
- झारखण्ड राज्य का निर्माण यहाँ के अनुसूचित जनजाति बहुलता के हित के लिए हुआ है। इस समाज को आगे आकर

अनुसूचित/आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में अपनी सेवा देकर उनके Living Standard को ऊँचा करने का प्रयास करें।

- क्या यह सत्य नहीं है कि झारखण्ड के हर एक साभ्रान्त परिवार में जो सेवक हैं, वो आदिवासी ही है। अगर ऐसा है तो क्या आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं, हमें यह चिंतन करने पर विवश करती है। हमारा दायित्व है कि एनको भी ऐसा अवसर मिले कि वे पढ़-लिखकर समाज में आगे आयें और विकास की धारा में सम्मिलित हों।
- आज अगर हम ठान लें कि एक परिवार में एक ऐसे वंचित बच्चे को आगे बढ़ाने में मदद पहुँचाया जायेगा तो पाँच वर्ष में कितने गाँव में /घर में रौनक छा जायेगी, आप कल्पना भी नहीं कर सकते।
- मैं आह्वान करत हूँ कि इस विशाल मारवाड़ी सम्मेलन के प्रणेताओं को, कि वे इस दिशा में आगे आयें और तबीयत से एक कदम आगे बढ़ायें -हजारों चेहरे पर खुशी लाकर उन्हें जो शान्ति मिलेगी, वो परमसुख किसी वैभव से प्राप्त नहीं किया जा सकता।
- वर्तमान में हमारे समाज में कुरीतियाँ भी व्याप्त हैं। इस प्रकार के संस्था को लोगों के अन्दर जागृति लाने का प्रयास करना चाहिये ताकि सामाजिक कुरीतियों का अन्त हो सकें।
- इस अवसर मैं यह भी कहना चाहूँगी कि बहुत से छात्र अत्यन्त मेधावी रहते हैं, लेकिन अर्थाभाव उनके समक्ष एक बड़ी चुनौती है। ऐसे बच्चों की ये संस्था मदद करें और उसमें समाज के सभी वर्गों को देखें।
- एक बार पुनः आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!